भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1101

जिसका उत्तर दिनांक 08.02.2023 को दिया जाना है

परमाणु शक्ति केंद्रों की सुरक्षा

1101. सुश्री देबाश्री चौधरी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में परमाणु प्रतिष्ठान और परमाणु शक्ति केंद्र साइबर हमलों से सुरक्षित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इनकी सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या इस संबंध में सुरक्षा-भंग की घटनाएं हुई हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) व (ख) जी, हां। भारतीय नाभिकीय स्थापना में अपनी संस्थापनाओं में प्रयुक्त प्रणालियों के अभिकल्प, विकास और प्रचालन के लिए पहले से ही एक सख्त प्रक्रिया निर्धारित की गई है। संरक्षा और सुरक्षा की महत्वपूर्ण प्रणालियाँ प्रयोक्तानुकूलित हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके अंतर्गृह अभिकल्पित और विकसित की गई है, जो नियामक सत्यापन और मान्यकरण के अधीन हैं, और इस प्रकार ये साइबर सुरक्षा खतरों के लिए प्रतिरोधक हैं।

भारतीय नाभिकीय स्थापनाओं की संरक्षा और सुरक्षा की महत्वपूर्ण आधारिक संरचना, जैसे नियंत्रण नेटवर्क और संयंत्रों की संरक्षा प्रणालियों को इंटरनेट और स्थानीय आईटी नेटवर्क से पृथक रखा गया है।

परमाणु ऊर्जा विभाग के पास डीएई इकाइयों की साइबर सुरक्षा/सूचना सुरक्षा की निगरानी करने के लिए कंप्यूटर और सूचना सुरक्षा सलाहकार समूह (सीआईएसएजी) और मापयंत्रण एवं नियंत्रण सुरक्षा के लिए कार्य दल (टीएएफआईसीएस) जैसे विशेषज्ञ समूह हैं। ये समूह प्रणालियों और लेखा परीक्षा के माध्यम से मजबूती प्रदान कर परमाणु सुविधाओं सहित डीएई के अधीन सभी इकाइयों की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी है।

(ग) व (घ) कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र (केकेएनपीपी) के दैनंदिन प्रशासनिक गतिविधियों के लिए प्रयुक्त प्रशासनिक नेटवर्क पर एक मालवेयर संक्रमण की पहचान की गई। प्रभावित प्रणाली में केवल प्रशासनिक कार्य से संबंधित डाटा था। संयंत्र नियंत्रण और मापयंत्रण प्रणाली इंट्रानेट, इंटरनेट जैसे किसी बाह्य नेटवर्क और प्रशासनिक प्रणाली से जुड़े हुए नहीं है। संयंत्र प्रणालियां जो पृथक हैं और इस प्रशासनिक नेटवर्क से पहुंच नहीं हैं, प्रभावित नहीं हुए। महत्वपूर्ण संयंत्र प्रणालियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

* * * * *